



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 327]
No. 327]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 27, 1998/भाद्र 5, 1920
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 27, 1998/BHADRA 5, 1920

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1998

सा. का. नि. 529(अ).—निम्नलिखित प्रारूप नियम जिसे केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का अधिनियम सं. 15) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार ऐसे सभी वास्ता रखने वालों की जानकारी के लिए जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है।

यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के प्रकाशन से पैंतालीस दिन की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा। किसी ऐसे आक्षेप या सुझाव पर जो उक्त नियमों की बाबत किसी व्यक्ति/प्राधिकारी से इस प्रकार ऊपर विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी। आक्षेप या सुझाव, सचिव, जल भूतल परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली को भेजे जा सकते हैं।

भाग - I प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अंदमान और निकोबार द्वीप पत्तन और बंदरगाह (पाइलटों का प्राधिकार) नियम, 1998 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :

- (क) "संरक्षक" से ऐसा पत्तन संरक्षक और अधिकारी अभिप्रेत है जिसमें यात्रा मार्ग दर्शन का निदेशन और प्रबंधन निहित है।
- (ख) "बंदरगाह मास्टर" से ऐसे कर्तव्यों के पालन करने के लिए जो समय-समय पर उसे संरक्षक द्वारा सौंपे जा सकेंगे, संरक्षक द्वारा इस प्रकार नियुक्त किया गया अधिकारी अभिप्रेत है।
- (ग) "अनिवार्य पत्तन नयन जल की सीमाओं" से भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 4 की उपधारा (2) के अधीन पत्तन के संबंध में परिभाषित सीमाएं अभिप्रेत हैं।

"पाइलट" से संरक्षक/बंदरगाह मास्टर द्वारा यथा निदेशित किसी जलयान को पत्तन में चलाने के लिए केन्द्रीय सरकार के प्राधिकार के अधीन रहते हुए संरक्षक द्वारा इस प्रकार विधिपूर्वक नियुक्त और अनुज्ञप्त व्यक्ति अभिप्रेत है।

3. पाइलटों पर बंदरगाह मास्टर का नियंत्रण

बंदरगाह मास्टर, जलयानों के मूरिंग के पत्तन में प्रवेश करने या छोड़ने या पत्तन के किसी घाट पर जलयानों के घाट पर लगाने या घाट छोड़ने के समय पत्तन नयन प्रभार में पाइलटों पर नियंत्रण रखेगा।

4. पाइलटों को अनुज्ञप्ति का दिया जाना

- (1) प्रत्येक पाइलट अंदमान और निकोबार द्वीप के पत्तनों के लिए पाइलट के कर्तव्यों का पालन करने के लिए अनुज्ञप्ति

प्राप्त करेगा और ऐसी अनुज्ञप्ति केन्द्रीय सरकार की मंजूरी के अधीन रहते हुए जारी किया जा सकेगा और संरक्षक द्वारा प्रत्युद्गामी होगा।

- (2) पाइलट संरक्षक से उसके संबंध विच्छेद करते ही तुरन्त उसकी अनुज्ञप्ति संरक्षक को दे देगा।

5. पाइलट सेवा ग्रहण के लिए शर्तें :

किसी व्यक्ति को पाइलट के रूप में तब तक अनुज्ञप्त नहीं किया जाएगा जब तक कि वह संरक्षक का यह समाधान नहीं कर देता है कि वह निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता है :

- (क) नियुक्ति आदेश में अधिकथित पात्रता की शर्तें।
- (ख) यह कि परिवीक्षाधीन पाइलट के रूप में नियुक्ति की तारीख को वह 24 वर्ष से कम और 35 वर्ष से अधिक आयु का नहीं है।
- (ग) किसी ऐसे अभ्यर्थी जो भूतपूर्व सैनिक है अर्थात् भारत के रक्षा बल, तट रक्षक का भूतपूर्व कर्मचारी और पब्लिक सेक्टर उपक्रमों/केन्द्रीय/राज्य सरकार के उपक्रमों के व्यक्तियों की दशा में उसके द्वारा रक्षा बलों, पब्लिक सेक्टर उपक्रमों में की गई सेवा सीमा तक (केन्द्रीय या राज्य सरकार उपक्रम धन तीन वर्ष)।
- (घ) अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी की दशा में, केन्द्रीय सरकार के ऐसे आदेशों के अनुसार जो उसके अधीन सेवाओं या पदों की नियुक्तियों के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के पक्ष में समय समय पर जारी किए जा सकेंगे :
- (ङ) यह कि वह नीचे विनियमन 6 में की विस्तृत अर्हताएं रखता है।

6. अभ्यर्थियों की अर्हताएं :

- (1) पत्तन नयन अनुज्ञप्ति के लिए :
- (क) अभ्यर्थी के पास भारत सरकार द्वारा प्रदत्त मास्टर होम/विदेशगामी के रूप में दक्षता प्रमाण पत्र होगा या अधिमानतः विदेशगामी पोतों/भारतीय नौ सेना/तटरक्षक के फर्स्ट मेट में कम से कम छह मास का अनुभव या बर्थिंग मास्टर के रूप में कम से कम दो वर्ष का अनुभव या यार्ड कमांडर के रूप में एक वर्ष का अनुभव।
- (ख) अभ्यर्थी ऐसे चिकित्सा प्राधिकारी से शारीरिक योग्यता प्रमाण पत्र अभिप्राप्त करेगा जो इस प्रयोजन के लिए संरक्षक द्वारा विहित किया जा सकेगा।
- (ग) अभ्यर्थी सम्पत्ति तथा एवं संयतता का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा।
- (घ) जब तक कि संरक्षक अन्यथा अवधारित नहीं करता है, अभ्यर्थी 6 मास से अन्यून के परिवीक्ष्य प्रशिक्षण की अवधि को पूरा करेगा : प्रशिक्षण के पूर्ण होने पर परिवीक्षाधीन (व्यक्ति), यदि बंदरगाह मास्टर द्वारा सिफारिश किया जाता है और संरक्षक के अनुमोदन के अधीन रहते हुए, पत्तन

नयनता के लिए अपनी अर्हता के रूप में परीक्षा किए जाने के लिए आवेदन कर सकेगा।

- (2) पत्तन नयन अनुज्ञप्ति के लिए फीस समथ समय पर बोर्ड द्वारा विहित की जाएगी।

7. परीक्षाओं के विषय :

परीक्षा के विषयों के अन्तर्गत निम्नलिखित होंगे अर्थात्:

- (i) पत्तन में नौ परिवहन से संबंधित विनियमन और नियम :
- (ii) पत्तन सीमाओं के भीतर किन्हीं दो स्थानों के बीच मार्ग और दूरी।
- (iii) समयों की परावेला और प्रवाह
- (iv) ध्वनियों की गहनता और स्वरूप,
- (v) लंगर स्थान, चट्टान, बालूचरा, तथा अन्य खतरनाक, लैंड्स मार्कास, बॉयोज और प्रकाश स्तंभ स्थापित करना और पत्तन के भीतर रोशनियां ;
- (vi) पोतों और स्टीमरों का प्रबंध, उन्हें लंगर लगाने के लिए कैसे लाया जाता है और ज्वार भाटा के रास्ते में उनके लंगरों को कैसे साथ-साथ रखा जाता है ;
- (vii) समस्त परिस्थितियों में किसी जलयान का प्रबंध करना ;
- (viii) लंगर पर बंधना, लंगर से खोलना तथा रास्ता-अधीन करना ;
- (ix) पत्तन के बंदरगाह यात्रा नियम ;
- (x) पत्तन के सुरक्षा नियम ;
- (xi) करंतीन नियम ;
- (xii) भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) और महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963; और
- (xiii) ऐसे अन्य विषय जो इस निमित्त परीक्षा समिति द्वारा अवधारित किए जाएं।

8. परीक्षा समिति :

परीक्षा का संचालन बोर्ड द्वारा विहित रीति से एक परीक्षा समिति द्वारा किया जाएगा जिसका गठन निम्न प्रकार से होगा :

- (1) मुख्य पत्तन प्रशासक (अध्यक्ष)
- (2) बंदरगाह मास्टर और उसकी अनुपस्थिति में अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट कोई अन्य समुद्री अधिकारी
- (3) उप संरक्षक मद्रास पत्तन न्यास

9. परीक्षा उत्तीर्ण करने में असफलता :

किसी परिवीक्षाधीन (व्यक्ति के उसकी नियुक्ति के नौ मास के भीतर विनिर्दिष्ट परीक्षा में उत्तीर्ण न होने की दशा में वह सेवानुक्त कर दिए जाने का दायी होगा।

10. पायलट का सुभेदक ध्वज :

- (1) प्रत्येक पाइलट के पास एक सुभेदक ध्वज की व्यवस्था की जाएगी जिसे जलयान पर, जब उसके प्रभार में होता है

किसी ऐसी स्थिति में फहराया जाता है जहां उसे अन्य संकेतों से सुस्पष्ट अच्छी तरह देखा जा सकता है।

- (2) जब पाइलट जलयान में होता है तो इसकी संसूचना में इसी प्रकार फहराए गए एक ध्वज का उपयोग संकेत स्टेशन पर किया जाएगा।
- (3) उप-विनियमन (1) और (2) में किसी बात के होने पर भी पाइलट पत्तन नियंत्रण के साथ वी एच एफ सम्पर्क भी रखेगा और पत्तन नियंत्रण से पहुंचाए गए सभी अनुदेशों का पालन करेगा।

11. पाइलटों का, प्राधिकारी के आदेश का पालन :

पाइलट, संरक्षक, उप संरक्षक और/या बंदरगाह मास्टर द्वारा दिए गए या जारी किए गए सभी विधिपूर्वक आदेशों और विनियमनों का पालन और कार्यान्वित करेगा।

12. पाइलट का आचरण :

प्रत्येक पाइलट सभी समयों पर कड़ी संयतता का प्रयोग करेगा और ऐसे समय के दौरान जब वह किसी जलयान का प्रभारी है उसकी सुरक्षा, सामीप्य के अन्य सभी जलयान और सभी पत्तन संपत्ति, प्रतिष्ठापनों तथा यानों की सुरक्षा पर अपनी सर्वोत्तम देख रेख तथा परिश्रम का उपयोग करेगा।

- (2) वह जब आवश्यक हो, लेड, प्रतिध्वनि गंभीरतामापी, रेडार और/या कोई अन्य नौपरिवहन सहायक सामग्री को जब जलयान रास्ता अधीन है, सही हालत में रखेगा और जलयान के मालिक मास्टर/समादेश धारक आफिसर के लिखित आदेश बिना जलयान को छोड़ा नहीं करेगा।
- (3) उप विनियमन (2) में अन्तर्विष्ट उपबंधों के होते हुए भी पाइलट मामले की विशेष परिस्थितियों में ऐसी यथोचित कार्रवाई करेगा जो पत्तन सुरक्षा के लिए है सभी पत्तन सम्पत्ति, प्रतिष्ठापनों, नौपरिवहन चैनल, पत्तन में अन्य पोतों और यानों की सुरक्षा के लिए पत्तन और उसकी उपयोगिता के वृद्धि हितों के लिए आवश्यक हो सकती है।

13. जलयान के मास्टर आदि के प्रति पाइलट का व्यवहार :

पाइलट उसके प्रभार के अधीन किसी जलयान के मालिक, मास्टर और अधिकारियों को सम्यक् शिष्टता दर्शित करेगा। पाइलट, ऐसे किन्हीं दृष्टान्तों को जब मास्टर या समादेश धारक अधिकारी ने अशिष्ट ढंग का व्यवहार किया है, बंदरगाह मास्टर के संरक्षक के ध्यान में लाएगा।

14. पाइलटों का उनके द्वारा की गई सेवाओं का प्रमाणपत्र अभिप्राप्त किया जाना :

- (1) पाइलट किसी जलयान में सवार होने पर आगमन/प्रस्थान रिपोर्ट को मास्टर को देगा जो रिपोर्ट में अपने हस्ताक्षर के साथ सभी अपेक्षित विशिष्टियों को दर्ज करेगा।
- (2) परिवहन और लंगर डालने के प्रमाण पत्र पाइलट द्वारा भरे जाएंगे और जब पाइलट के कर्तव्य पूरे हो जाते हैं, हस्ताक्षर के लिए मास्टर को प्रस्तुत किए जाते हैं।

15. पाइलटों का जलयानों पर चढ़ने के लिए सही समय पर जाना :

पाइलट, किसी ऐसी जलयान का प्रभार लेने वाला है जो जावक के लिए काष्ठ है या जो उस स्थान से चलने वाली है जिसमें वह खड़ी हुई है, उस पर चढ़ा और नियत समय पर मास्टर/समादेश धारक अधिकारी को स्वयं रिपोर्ट करेगा। पाइलट जंडमान निकोबार द्वीप के पत्तन और बंदरगाह के विषय में प्रवृत्त नियमों का पालन करेगा।

16. पाइलट जब कर्तव्य पर जाते हैं तो उनके साथ उनकी अनुज्ञप्ति आदि का ले जाया जाना :

जब पाइलट कर्तव्य पर जाता है तो सदैव उसके साथ उसकी अनुज्ञप्ति, पत्तन के लिए एक शासकीय प्यार भाटा सारणी, पत्तन नियमों और उस समय के लिए प्रवृत्त पत्तन नयन विनियमन की एक प्रति रखेगा।

17. वास सुविधा और भोजन के लिए उपबंध :

पाइलट को यदि आवश्यक हो तो युक्ति युक्त वास सुविधा की व्यवस्था की जाएगी और सुबह 7.00 बजे और 9.00 बजे के बीच नाश्ता दोपहर 12 बजे और 2.00 बजे के बीच लंच तथा 6.00 पी.एम. और 8.00 पी.एम. (भा.मा.सं.) बीच रात का खाना (डिनर) दिया जाएगा। पाइलट जलयान को लंगर स्थान पर या बंदरगाह में एक तरफ छोड़ सकेगा और यदि भोजन की व्यवस्था नहीं की गई है तो अपने लिए भोजन के लिए जा सकेगा। तथापि यह तथ्य उप संरक्षक/बंदरगाह मास्टर के ध्यान में लाया जाना चाहिए।

18. पाइलटों का यह देखना कि लंगर जाने देने के लिए तैयार हैं :

पाइलट किसी जावक आबद्ध जलयान को अपनी सुर्पदगी में लेने से पहले जलयान के मास्टर/समादेश धारक अधिकारी से यह पूछताछ करेगा कि जलयान उसके इंजिनों, स्टोरिंग गियर, टेलीग्राफ विंडलेस, मूरिंग विंचेज, नौपरिवहन संबंधी रोज़नियों और संकेतों, ध्वनि संकेतों के लिए बिसिल/साइरन के संबंध में सभी प्रकार से तैयार है और यह भी कि तुरंत जाने देने के लिए लंगर तैयार कर दिए गए हैं।

19. पाइलटों का साक्ष्य देना :

कोई पाइलट, जब तक कि सपीना करने के अधीन नहीं हो, किसी ऐसे विचारण या जांच पर साक्ष्य देने के लिए बिना संरक्षक की अनुज्ञा के उपस्थित नहीं होगा जिस का वह पक्षकार नहीं है और कोई पाइलट सपीना करने के अधीन साक्ष्य देने के लिए हाजिर होता है तो तुरंत संरक्षक को लिखित में तथ्य की रिपोर्ट करेगा।

20. पाइलटों का नौ परिवहन संबंधी चिन्तों, आदि में किन्ही परिवर्तनों की सूचना देना :

* ऐसा कोई पाइलट जिसने चैनलों की गहराई में कोई परिवर्तन देख लिया है या उसको यह सूचना मिल गई है कि किसी बायोज, वीकन्स या हल्के जलयानों को चलाकर ले जाया गया है, तोड़ दिया गया है, नष्ट कर दिया गया है या उन्हें स्थिति से बदल दिया गया है या उसको किन्हीं ऐसी परिस्थितियों का ज्ञान हो गया है जिनसे नौ परिवहन की सुरक्षा पर प्रभाव पड़ने की संभावना है, तो वह उसकी लिखित में विस्तृत रिपोर्ट संरक्षक और बंदरगाह मास्टर को तुरंत भेजेगा।

21. पाइलटों का दुर्घटनाओं की रिपोर्ट करना :

पाइलटों उसकी सुपर्दगी में किसी जलयान से संबंधित किसी दुर्घटना घटने के ठीक बाद दुर्घटना से संबंधित तथ्यों की रिपोर्ट संरक्षक और/या बंदरगाह मास्टर को करेगा।

बंदरगाह मास्टर के मार्फत संरक्षक को लिखित में रिपोर्ट के अनुसरण में यथा संभव शीघ्रता से घटना के 24 घंटे के भीतर नुकसानी दुर्घटना के कारण और उसके लिए उत्तरदायित्व के सभी ब्यौरे भेजेगा।

22. बंदरगाह मास्टर का पाइलटों की उपस्थिति का निग्रमित करना।

जलयानों में उनकी सेवाओं की अपेक्षाओं के लिए संरक्षक या बंदरगाह मास्टर के कार्यालय में पाइलट की उपस्थिति रखी जाने के लिए और चक्रानुक्रम दर्शित करने वाली एक ऐसी सूची जिसमें पाइलट (उनके सुसंगत वर्गों को ध्यान में रखते हुए) ऐसे जलयानों के लिए आबंटित किए जाते हैं, संरक्षक या बंदरगाह मास्टर के कार्यालय में रखी जाएगी।

23. जावक आबद्ध जलयानों के बारे में पाइलटों के कर्तव्य का प्रारंभ :

जावक आबद्ध जलयानों के संबंध में पाइलट के कर्तव्य जिन्हें "स्टेशन" समय कहा जाता है और यथास्थिति घाट, प्रस्थान, बर्थ, जैट्टी या लंगर स्थान से समुद्र में जावक आबद्ध जलयानों को चलाने के प्रयोजन के लिए नौ परिवहन पुल के लिए पाइलट आगे बढ़ा है से प्रारंभ होंगे।

24. जावक आबद्ध जलयान के संबंध में पाइलट के कर्तव्यों का समापन :

जावक आबद्ध जलयान के संबंध में किसी पाइलट के कर्तव्य तब समाप्त होंगे जब वह जलयान को अनिवार्य पत्तन नयन जल की सीमाओं में चलाकर ले आया है (या ऐसी स्थिति में कि मास्टर/समादेशधारी अधिकारी पाइलट की सेवाओं को और अधिक लगाना आवश्यक नहीं समझता है और पाइलट भी अपनी राय में यह समझता है कि विद्यमान परिस्थितियों में मास्टर/समादेशधारी अधिकारी जलयान को समुद्र से बाहर सुरक्षित रूप से ला सकता है)।

25. जावक आबद्ध जलयान के संबंध में पाइलट के कर्तव्यों का प्रारंभ :

किसी जावक आबद्ध जलयान के संबंध में पाइलट के कर्तव्य उसके जलयान में बैठने और नौपरिवहन पुल पर पहुंचने तथा बंदरगाह में जावक जलयान चलाने के प्रयोजन के लिए मास्टर से सुपर्दगी लेने और जब उक्त जलयान अनिवार्य पत्तन नयन सीमाओं में प्रवेश करता है उसके पश्चात् प्रारंभ होंगे।

26. जलयान में बैठने पर पाइलट द्वारा कार्रवाई किया जाना :

पाइलट जलयान में बैठने पर—

(क) यह अभिनिश्चय करेगा कि क्या तत्समय प्रवृत्त पत्तन कर तीन नियमों से विनिर्दिष्ट कोई संक्रामक बीमारी जलयान में सवार व्यक्तियों में से किसी को है या जलयान के दौरान हो रही है; यदि कोई ऐसी बीमारी है या हो रही है तो वह जलयान को लंगर डाल देगा और करंतीन संकेत फहराएगा और इस निमित्त उक्त नियमों में अंतर्निहित अनुदेशों का पालन करेगा;

(ख) जलयानों के विद्यमान प्रारूप में यह अभिनिश्चय करेगा और देखेगा कि दोनों लंगर जाने देने के लिए साफ हैं; यह देखेगा कि राष्ट्रीय संकेत फहरा दिया गया है और यह देखेगा कि जलयान के नाम को बताने वाले ध्वज और अन्य संकेत, समय-समय पर पत्तन नियमों के अधीन यथा अपेक्षित ऐसी रीति में हैं जो पत्तन नियंत्रण टावर से स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं।

27. जावक आबद्ध जलयानों के संबंध में पाइलट के कर्तव्यों का समापन :

किसी जावक आबद्ध जलयान के संबंध में पाइलट के कर्तव्य तब समाप्त हो जाएंगे जब जलयान को यथास्थिति किसी घाट, प्रस्थान बर्थ, जैट्टी या लंगर स्थान पर सुरक्षित रूप से रस्सों से बांध दिया जाता है; या लंगर डाल दिया जाता है;

28. जलयानों का चलाना :

1. कोई भी पाइलट जहां जलयान रास्ता अधीन है किसी जलयान को पत्तन के भीतर एक स्थिति से दूसरी स्थिति में जब तक नहीं चलाएगा या चलाने का निर्देश नहीं देगा जब तक मास्टर उसमें बैठा है।

2. जहां मास्टर जलयान को संचलन के समाप्त से पूर्व छोड़ देता है तब पाइलट जलयान को लंगर डाले जाने के लिए ऐसी सुरक्षित स्थिति में निर्देश देगा जिससे मास्टर द्वारा बड़ी आसानी से पहुंचा जा सके और जब तक मास्टर की जलयान में वापसी नहीं होती है संचलन के निर्देश नहीं देगा।

3. जलयान के समस्त संचलन के दौरान अधिकारियों और सवार कर्मियों को वह संख्या जो उपलब्ध है, उस पर्याप्त संख्या से कम नहीं होगी जो किसी कर्तव्य के पालन करने के लिए अपेक्षित हो सकेगी; और यदि पाइलट जलयान में खड़े पर विचार करता है कि संख्या पर्याप्त नहीं है वह पत्तन नियमों की ओर मास्टर का ध्यान दिलाएगा और संचलन करने से इंकार कर देगा।

स्पष्टीकरण :

इस विनियमन में अभिव्यक्त "मास्टर" के अंतर्गत मास्टर उसके कार्यालय के कर्तव्यों के पालन करने से असमर्थ हो जाने की दशा में मास्टर के लिए कार्य करने के लिए सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रथम या अन्य अधिकारी भी आएंगे।

29. अनुज्ञप्ति का गुम हो जाना :

पाइलट उसकी अनुज्ञप्ति के गुम हो जाने पर उसके बारे में उन परिस्थितियों का वर्णन करते हुए जिन में अनुज्ञप्ति गुम हुई थी संरक्षक को तुरंत सूचना देगा और संरक्षक जब तक कि उसका यह समाधान नहीं हो जाता है कि ऐसा खो जाना पाइलट के अवचार द्वारा कारित नहीं किया गया है। बोर्ड द्वारा दूसरी अनुज्ञप्ति की स्वीकृति को लंबित रखते हुए एक अस्थायी अनुज्ञप्ति पाइलट को जारी कर देगा।

30. पाइलट का चाटों का जांच करना :

प्रत्येक पाइलट संरक्षक या बंदरगाह मास्टर के कार्यालय में पत्तन के नवीनतम रेखाओं और चाटों से स्वयं को अवगत कराने के लिए उपस्थित होगा और पत्तन से संबंधित कोई अन्य सूचना का अभिनिश्चय करेगा और

उसके पतने नयन कर्त्तव्यों पूर्ण हो जाने पर प्रत्येक दिन बंदरगाह लाग बुक भी भरेगा।

31. पाइलट की वर्दी :

पाइलट जब कर्त्तव्य पर होगा ऐसी वर्दी पहनेगा जो बोर्ड द्वारा विहित की जा सकेगी।

32. निर्वाचन :

यदि इन विनियमनों के निर्वाचन के विषय में कोई प्रश्न उठता है तो वह विनिश्चय के लिए बोर्ड को निर्दिष्ट किया जाएगा।

[फा. सं. प. 12018/1/96-पी. ई. II]

के. वी. राव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th August, 1998

G.S.R. 529(E).—The following draft Rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (Act No. 15 of 1908) is hereby published as required by the said sub-section for information of all concerned likely to be affected thereby.

Notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of 45 days from the publication of this notification. Any objection or suggestion which may be received from any person/authority with respect to the said rules before the date specified above will be considered by the Central Government. Objection or suggestion may be addressed to the Secretary, Ministry of Surface Transport, New Delhi :—

PART I—PRELIMINARY

1. Short title and commencement :—

(1) These Rules may be called the Andaman and Nicobar Islands Ports Harbours (Authorisation of Pilots) Rules, 1998.

(2) They shall come into force on the date of publication in the official Gazette.

2. Definitions :—

In these rules, unless the context otherwise requires

- (a) "Conservator" means the Conservator of the port and the Officer in whom the direction and management of pilotage are vested.
- (b) "Harbour Master" means the officer appointed as such by the Conservator to perform such duties as may, from time to time, be assigned to him by the Conservator.
- (c) "Limits of compulsory pilotage waters" means the

limits defined in relation to the port under sub-section (2) of Section 4 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908).

"Pilot" means a person lawfully appointed and licensed as much by the Conservator subject to the authorisation of the Central Government, to pilot in the port any vessel as directed by the Conservator/Harbour master.

3. Harbour Master's Control over Pilots :—

The Harbour Master shall have control over pilots in pilotage charge of the vessels while entering or leaving the port of mooring or berthing or unberthing at any berth in the port.

4. Pilots to be licensed :—

(1) Every pilot shall hold a licence to perform the duties of a pilot for the ports of Andaman and Nicobar Islands and such licence, subject to the sanction of the Central Government, may be issued and be recoverable by the Conservator.

(2) A pilot severing his connection with the Conservator shall forth with deliver his licence to the Conservator.

5. Condition for joining the Pilot Service :—

A person shall not be licensed as a Pilot unless and until he satisfies the conservator that he fulfils the following conditions :—

- (c) The conditions of eligibility laid down in the appointed order.
- (b) That on the date of appointment as a Probationer Pilot, he is of an age not below 24 and not exceeding 35 years.
- (c) In the case of a candidate who is an ex-serviceman, i.e. ex-employee of India' Defence Forces, 'Coast Guard and persons working in Public Sector Undertakings/Central/State Govt. undertakings to the extent of the service rendered by him in the Defence Forces, Public Sector Undertakings (Central or State Govt. undertakings plus three years).
- (d) In the case of a candidate belonging to the Scheduled caste or a Scheduled Tribe, in accordance with such orders of the Central Govt. as may be issued from time to time for appointments to service or posts under it in favour of the Scheduled Caste and the Scheduled Tribes; and
- (e) That he possesses the qualifications detailed in regulation 6 below :

6. Qualifications of candidates :—

- (1) A candidate for a Pilotage Licence shall :—
- (a) be in possession of a certificate of competency as Master Home Trade/Foreign Going granted by the Govt. of India or preferably, experience of at least six months in first mate of Foreign going ships/

Indian Navy/Coast Guard or at least two years experience as Berthing master or One year experience as Commander of Yards.

- (b) obtain a certificate of physical fitness from such medical authority as may be prescribed by the Conservator for the purpose.
- (c) produce certificate of good character and sobriety;
- (d) unless the Conservator otherwise determines, serve a period of probationary training of not less than 6 months; on completion of the training the probationer may, if recommended by the Harbour master and subject to the approval of the conservator, apply to be examined as to his qualifications to pilotships.

(2) The fee for a Pilotage licence shall be prescribed by the Board from time to time.

7. Subjects of Examinations :—

The subjects for the examination shall include following, namely :

- (i) Regulations and rules relating to navigation in the port;
- (ii) The course and distance between any two places within the Ports limits;
- (iii) the ebb and flow of tides;
- (iv) the depth and character of soundings;
- (v) the anchorages, rocks, shoals, and other, dangerous, the lands marks, buoys and beacons and lights within the port;
- (vi) the management of ships and steamers, how to bring them to anchor and to keep them clear on their anchors in a tideway;
- (vii) to handle a vessel under all conditions;
- (viii) to moor, unmoor, and get underway;
- (ix) Harbour craft Rules of the Port;
- (x) Safety Rules, of the Port;
- (xi) Quarantine Rules;
- (xii) The Indian Ports Act 1908 (15 of 1989 and the Major Port Trusts Act 1963); and
- (xiii) such other subjects as may be determined by the Examination Committee in this behalf.

8. Examination Committee :—

The examination shall be conducted in the manner prescribed by the board by an examination committee constituted as follows :—

- (1) The Chief Port Administrator (Chairman)
- (2) The Harbour Master, and in his absence, another marine officer nominated by the Chairman.

- (3) The Deputy Conservator, Madras Port Trust.

9. Failure to pass an examination :—

In the event of a probationer failing to pass the specified examination within nine months of his appointment, he will be liable to be discharged.

10. Pilot's Distinguishing Flag :—

- (1) Each pilot shall be provided with a distinguishing Flag, which is to be hoisted on the vessel while in his charge in a position where it can best be seen distinct from other signals.
- (2) A similar flag hoisted at the signal station shall be used in communicating with the vessel when the pilot is on board.
- (3) Notwithstanding anything contained in sub-regulation one (1) and (2) the pilot shall also maintain VHF communication with the Port control and obey all instructions conveyed from the Port control.

11. Pilots to Obey the order of the authority :

A pilot shall obey and execute all lawful orders and regulations given or issued by Conservator the Deputy Conservator and/or the Harbour Master.

12. Pilot's behaviour :—

- (1) Every pilot shall at all times exercise strict sobriety and shall throughout the time he is in charge of a vessel, use his utmost care and diligence on her safety, the safety of all other vessel in the proximity and all port property, installations and crafts.
- (2) He shall when necessary, kept the lead, Echo-sounder, Radar and/or any other navigational aid going which while the vessel is under-way and shall not lay the vessel a ground without a written order from the owner, Master/officer in command of the vessel.
- (3) Notwithstanding the provisions contained in sub-regulation (2) the Pilot shall take such appropriate action in the special circumstances of the case as may be necessary to safeguard the port, all port property, installations, navigational channel, other ships and crafts in the port in the larger interests of the port and her users.

13. Pilot's behaviour towards the Master of the vessel etc. :—

A pilot shall show due civility to the owner, Master and Officers of any vessel under his charge. The pilot will bring to the attention of the Conservator of Harbour Master any instances when the Master and Officer-in-Command behaved in an uncivil manner.

14. Pilots to obtain certificate of services performed by them :—

- (1) A pilot shall, on boarding a vessels hand the Arrival/Departure report to the Master, who shall enter in

the report all the required particulars over his signature.

- (2) Transporting and Anchoring Certificates shall be filled in by the pilot and presented to the Master for signature when duties of the pilot are completed.

15. Pilots to go on board vessels in good time :—

A pilot about to take charge of a vessel which is outward bound, or which about to be moved from the berth in which she is lying, shall go on board and report himself to the Master/Officer-in-command at the time appointed. The pilot shall comply with the rules in force on the subject at the Ports and Harbour of Andaman & Nicobar Islands.

16. Pilots when on duty to carry with them their licence etc. :—

A pilot when on duty shall always have with him his licence, an official Time Table for the Port, a copy of the Port Rules and the pilotage Regulations for the time being in force.

17. Provision for accommodation and Food :—

A pilot shall, if necessary, be provided with reasonable accommodation, and shall be supplied with breakfast between 7.00 a.m. and 9.00 a.m. lunch between 12 noon and 2.00 p.m. dinner between 6.00 p.m. and 8.00 p.m. (IST). The pilot may leave the vessel at anchor or alongside in the harbour and go for his meals if not provided with food. This matter, should however be brought to the attention of the Deputy Conservator/ Harbour Master.

18. Pilots to see that anchor are ready to let go :—

A pilot, before taking charge of an outward-bound vessel, shall enquire the Master/Officer-in-charge of the vessel that the vessel is in readiness in all respects with regards to her engines, steering gear, Telegraph, windless, mooring winches, navigational lights and signals, whistle/siren for sound signals and also that anchor are got ready to be let gone instantly.

19. Pilots giving evidence :—

A pilot shall not attend to give evidence on any trial or inquiry to which he is not a party unless under sub-poena without the permission of the conservator and a Pilot under sub-poena to give evidence shall forthwith report the fact in writing to the Conservator.

20. Pilots to give information of any alterations in Navigational marks, etc. :—

A pilot who has observed any alteration in the depth of the Channels or noticed that any buoys, beacons or light vessels have been driven away, broken down, damaged, or shifted from position or become aware of any circumstances likely to affect the safety of navigation, shall forthwith send a detailed report thereof in writing to the Conservator and Harbour Master. The same may be recorded in the Harbour Log Book at Control Tower also.

21. Pilots to report casualties :—

A pilot shall, immediately after the occurrence of any accident involving any vessel in his charge, report the facts relating to the accident to the Conservator and/or the Harbour Master as soon as possible followed by a report in writing to the Conservator through the Harbour Master, will all details of damages, reason for the accident and the responsibility for the same within 24 hours of the occurrence.

22. Harbour Master to regular attendance of Pilots :—

The attendance of the pilot to be kept in the office of the Conservator or Harbour Master to vessels requiring their services and a list showing the rotation in which pilots (having regard to their respective classes) are to be allotted to such vessels, shall be kept in the office of the Conservator or Harbour Master.

23. Commencement of Pilot's duties in regard to outward bound vessels :—

The duties of a pilot in regard to an outward bound vessels shall commence from the time "Station" are called and the pilot has proceeded to the navigational for the purposes of piloting the outward-bound vessels to sea from the wharf, pier, berth, jetty or anchorage as the case may be.

24. Cease of Pilot's duties, in regard to outward bound Vessel :—

The duties of pilot in regard to an outward bound vessel shall cease when he has piloted the vessel to the limits of the compulsory pilotage waters or to such a position that the Master/Officer-in-charge does not consider it necessary to engage the services of the pilot any more and the pilot also in his opinion feels that in the prevailing circumstances that the Master/Officer-in-command can safely take the vessel out to sea).

25. Commencement of pilot's duties in regard to inward bound vessel :—

The duties of a pilot in regard to an inward bound vessel shall commence after he has boarded the vessel and proceeded to the navigational bridge and taken charge from the master for the purposes, of piloting the vessel inward into the Harbour and when the said vessel enters the compulsory pilotage limits of the port.

26. Action to be taken by a pilot on boarding a vessel :—

A pilot, on boarding the vessel, shall :—

- (a) as certain in whether there is, or has been during the voyage any infectious diseases of the nature specified in the Port Quarantine Rules for the time being in force, among the persons on board vessel; if there is or has been any such disease he shall anchor the vessel, hoist the quarantine signal and carry out the instructions contained in the said rules in this behalf;

- (b) as certain in the vessel's present draft and see that both anchor are clear to be let gone; see that the National Ensign is hoisted and that the flags denoting the name of the vessel and any other signals, as required under the Port Rules from time to time, are in such a manner as to be clearly seen from the port Control Tower.

27. Ceaser of Pilot's duties in regard to inward bound vessel:—

The duties of a pilot in regard to any inward bound vessel shall cease when the vessel is safely moored or anchored at any wharf, pier, berth, Jetty or anchorage as the case may be.

28. Moving of vessels :—

1. No pilot shall, where the vessel is under way, move or direct the moving of any vessel within the port from one position to another unless the Master is on board.
2. Where the Master leaves, the vessel before the movement is completed, the pilot shall direct the vessel to be anchored in such safe position as may be most easily reached by the Master, and shall not give directions to proceed with the moving untill the return of the Master to the vessel.
3. Throughout the moving of the vessel, the number of officers and crew on board are available for duty shall not be less the number sufficient to perform any duty which may be required; and if

the pilot on boarding the vessel considers that the number is not sufficient, he shall invite the Master, attention to the Port Rules and refuse to proceed with the moving.

EXPLANATION :— In this regulation, the express "Master" shall include the first or other officers duly authorised to act for the Master in the event of the Master being incapacitated from performing the duties of his office.

29. Loss of Licence :—

A pilot losing his licence shall forthwith give notice in that behalf to the Conservator, stating the circumstances in which the licence was lost and the Conservator, shall unless he is satisfied that the loss has not been caused by the pilot's misconduct, issue to the pilot a temporary licence pending the grant of a duplicate licence by the Board.

30. Pilot's examination of charts :—

Every pilot shall attend the office of the Conservator or the Harbour Master to acquaint himself with the latest plan and charts of the Port and ascertain any other information concerning the port and also fill up the Harbour Log Book on completion of his pilotage duties every day.

31. Pilots Uniform :—

A pilot shall wear when on duty such uniform as may be prescribed by the Board.

32. Interpretation :—

If any question arises as to the interpretation of these regulations, the same shall be referred to the Board for decision.

[F. No. A-12018/1/96-PE-II]

K. V. RAO, Jt. Secy.